

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 संख्या 313 श्री विजयपुरम, गुरूवार, 26 नवंबर 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

माननीय उप राज्यपाल का उत्तर व मध्य अण्डमान के डिगलीपुर का दौरा

राजकीय पॉलीटेक्निक, मॉरिस टेकरी एवं गैबियन दीवार की आधारशिला

समुद्री सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक

जनता दर्शन में लगभग 62.29 करोड़ रूपए की विकास परियोजनाओं की घोषणा एवं शिलान्यास














श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने गत 24 नवम्बर को उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के डिगलीपुर का दौरा किया। डिगलीपुर हेलीपैड पर पहुँचने पर अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के जवानों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों द्वारा पारंपरिक तरीके से अगवानी की गई।

अपने दौरे का शुभारंभ करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने मॉरिस टेकरी, मधुपुर में लगभग 11.62 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले राजकीय पॉलीटेक्निक की आधारशिला रखी। इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि इस पॉलीटेक्निक के बनने से उत्तर व मध्य अण्डमान के युवाओं को तकनीकी शिक्षा अपने ही क्षेत्र में प्राप्त होगी, जिससे उन्हें रोज़गार के बेहतर अवसर मिलेंगे और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

इसके पश्चात् माननीय उप राज्यपाल ने बेली ब्रिज के पास डी. बी. ग्राम में कलपोंग/कल्याण नाले के किनारे लगभग 97 लाख रूपए की लागत से बनने वाली गैबियन दीवार की आधारशिला रखी। इस परियोजना से नाले के किनारे हो रहे भू–कटाव को रोकने तथा आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। स्थल निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अवगत कराया कि भू–कटाव की रोकथाम हेतु लगभग 400 मीटर लंबी गैबियन दीवार की आवश्यकता है, जबकि प्रथम चरण में केवल 100 मीटर दीवार का निर्माण प्रस्तावित है। इस पर माननीय उप राज्यपाल ने शेष लगभग 300 मीटर गैबियन दीवार का कार्य भी तत्काल एक साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। साथ ही, भू–कटाव के कारण बह गए मार्ग पर आवागमन शीघ्र बहाल करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर कच्चे मार्ग का निर्माण करने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय नागरिकों एवं किसानों को अपनी उपज, फल–सब्ज़ियों आदि के परिवहन में सुविधा मिल सके।

अपने दौरे के आगे चरण में माननीय उप राज्यपाल ने उप–ज़िला अस्पताल, डिगलीपुर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न सुविधाओं, वार्डों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया तथा मरीज़ों से बातचीत कर उनके हालचाल जाने। मरीज़ों की मांग पर उन्होंने निरीक्षण स्थल से ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि आवश्यक कार्मिकों की तैनाती की जाए। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को दवाइयों की उपलब्धता बनाए रखने, साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जन–हितैषी बनाने के निर्देश दिए।

दौरे के दौरान माननीय उप राज्यपाल ने आईएनएस कोहासा के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन मोक्ष कोहली एवं ज़िला मजिस्ट्रेट श्री सुशांत पधा के साथ बैठक कर समुद्री सीमाओं से अवैध घुसपैठ एवं मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने, संयुक्त अभियान संचालित करने तथा समुद्री सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दौरे के अंतिम चरण में माननीय उप राज्यपाल ने पंचायत समिति हॉल, डिगलीपुर में पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों, विभागाध्यक्षों एवं आम जनता के साथ बैठक कर संवाद किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव उनके

शेष पृष्ठ 4 पर





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में अण्डमान–निकोबार प्रशासन द्वारा दिनांक 27 से 31 दिसंबर तक आयोजित वार्षिक आइलैंड्स टूरिज़्म फेस्टिवल (द्वीप पर्यटन महोत्सव) कार्यक्रम तैयारी की समीक्षा की तथा दिनांक 03 व 04 दिसंबर को आयोजित ''प्रथम अंतरराष्ट्रीय आसियान–भारत सम्मेलनः समुद्री साहसिक पर्यटन एवं सांस्कृतिक संबंध'' विषय पर प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण में द्वीपसमूह में समुद्री साहसिक पर्यटन की संभावनाओं, अधोसंरचना विकास, सुरक्षा मानकों तथा आसियान देशों के साथ सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधों को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य सचिव ज्ञानेश भारती, भा.प्र.से., आयुक्त सह सचिव, सचिव एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास, श्री विजयपुरम में तटरक्षक क्षेत्र अण्डमान–निकोबार के इंस्पेक्टर जनरल श्री नीरज तिवारी से विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण संवाद हुआ। इस दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर, मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने, मछुआरों की सुरक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, अण्डमान पुलिस के साथ समन्वय, अण्डमान–निकोबार के तटीय क्षेत्र की सुरक्षा, विदेशी घुसपैठ तथा घुसपैठियों द्वारा समुद्र में सी कुकुंबर चोरी पर अंकुश के संबंध में सार्थक चर्चा हुई।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) नेताजी सुभाष पूर्वी केंद्र, कोलकाता द्वारा अण्डमान–निकोबार द्वीपसमूह में खेल विकास के रोडमैप पर प्रस्तुतीकरण किया गया।

इसमें सीपीघाट में अंतरराष्ट्रीय रोइंग कोर्स, मायाबंदर में कोस्टल रोइंग हब, कार निकोबार में रोड साइकलिंग हब, नेताजी स्टेडियम में 250 मीटर वेलोड्रोम एवं साइकलिंग एनसीओई, एथलेटिक्स–सह–फुटबॉल मैदान, ज़िलों में हॉस्टल सहित इंडोर हॉल, कोच प्रशिक्षण तथा पांच वार्षिक खेल आयोजन पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर खेल सचिव श्रीमती ज्योति कुमारी, विशेष सचिव श्री अपूर्व शर्मा तथा खेल निदेशक भी मौजूद रहे।



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास, श्री विजयपुरम में भारत सरकार की प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय की निदेशक सुश्री सपना पोती ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर द्वीपसमूह में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार को बढ़ावा देने, शोध एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने तथा अन्य विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास, श्री विजयपुरम मे विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी के अखिल भारतीय महासचिव श्री भानुदास धाक्रस एवं उनके प्रतिनिधिमंडल तथा वार्ड संख्या–15, श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के पार्षद श्री बी. पद्मनाभन ने शिष्टाचार भेंट की।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास श्री विजयपुरम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार, 2025 (राष्ट्रपति पदक) से पुरस्कृत पैराएथलीट सुश्री पूजा गर्ग ने शिष्टाचार भेंट कर खेलों के उन्नयन एवं भारत की वैश्विक पहचान को मजबूत करने के संबंध में चर्चा की। एक अन्य प्रतिनिधिमंडल में अण्डमान तथा निकोबार शिक्षक संघ के श्री विकास मंडल तथा अन्य ने शिष्टाचार भेंटकर शैक्षणिक सुधारो के संबंध में चर्चा की।

माननीय उप राज्यपाल का उत्तर व मध्य अण्डमान ——————पृष्ठ 1 का शेष





समक्ष रखे। माननीय उप राज्यपाल ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनता की समस्याओं का शीघ्रता से समाधान करने के भी निर्देश दिए।

जनता दर्शन के अवसर पर क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगभग 62.29 करोड़ रूपए की विकास परियोजनाओं की घोषणा एवं शिलान्यास किया गया। इसमें 12.59 करोड़ रूपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिनमें मॉरिस टेकरी में 11.62 करोड़ रूपए की लागत से पॉलिटेक्निक संस्थान का निर्माण और डी.बी. ग्राम में बेली ब्रिज के दोनों ओर कलपोंग नाले के किनारे लगभग 97 लाख रूपए की लागत से गैबियन दीवार का निर्माण शामिल है। साथ ही 49.70 करोड़ रूपए की स्वीकृत विकास परियोजनाओं की घोषणा की गई, जिनमें सड़क, पुल एवं राज्य राजमार्गों के निर्माण एवं उन्नयन के लिए 27.96 करोड़ रूपए, पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण आधारभूत संरचना के विकास के लिए 8.60 करोड़ रूपए, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए 7.42 करोड़ रूपए, विद्यालय भवनों एवं शैक्षणिक आधारभूत संरचना के उन्नयन के लिए 4.91 करोड़ रूपए तथा विद्युत, वन एवं आंगनवाड़ी केंद्रों से संबंधित विभिन्न विकास कार्य शामिल हैं। माध्यमिक विद्यालय में ही बी.ए. और बी.कॉम. पाठ्यक्रमों के लिए भवन निर्माण कराने तथा कक्षाएं शीघ्रातिशीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए और साथ ही में एनएच–4 सहित अन्य सड़कों के टेंडर को पारदर्शी रूप से शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि द्वीपसमूह के प्रत्येक क्षेत्र का समग्र एवं संतुलित विकास तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान श्री सुशांत पधा, पुलिस अधीक्षक श्री विकास स्वामी, विशेष सचिव, लोक निवास सचिवालय श्री अपूर्व शर्मा, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष श्री अलगर स्वामी, प्रमुख, डिगलीपुर, श्री दीपांकर मिस्त्री, प्रधान, डिगलीपुर, श्री सिंगाराम, प्रधान, मधुपुर, श्री श्यामल देवनाथ, सहायक आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण अण्डमान ज़िले में नागरिक सुरक्षा के तहत हवाई हमले एवं ब्लैकआउट का मॉक अभ्यास 27 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

दक्षिण अण्डमान ज़िले में नागरिक सुरक्षा संबंधी तैयारियों के नियमित उपायों के तहत 27 नवंबर, 2026 को शाम 6 बजे एक मॉक अभ्यास आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमताओं का आकलन करना तथा उन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाना है। इस अभ्यास के दौरान सभी अधिकृत सायरनों की कार्यप्रणाली एवं तत्परता की जांच की जाएगी तथा सायरन बजने पर ब्लैकआउट अर्थात बत्ती बुझाने की प्रक्रिया के संबंध में आम जनता को जागरूक एवं तैयार किया जाएगा।

इस दौरान शाम 6 बजे से शाम 6.05 बजे तक सायरन बजाया जाएगा। इस अवधि में सभी निवासियों को सलाह दी गई है कि वे इन्वर्टर सहित प्रकाश उत्सर्जित करने वाले सभी विद्युत उपकरणों को 15 मिनट के लिए बंद कर दें। यह अभ्यास ब्लैकआउट जैसी परिस्थितियों का अनुकरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। शाम 6.20 बजे एक मिनट के लिए दूसरा सायरन बजाया जाएगा, जो अभ्यास की समाप्ति का संकेत होगा। इसके बाद सामान्य गतिविधियां पुनः शुरू की जा सकेंगी।

इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मियों तथा आम जनता को आपात स्थिति के दौरान अपनाई जाने वाली निर्धारित प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं से परिचित कराना है। दक्षिण अण्डमान के सहायक आयुक्त (राहत एवं आपदा प्रबंधन) की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी संबंधित लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अभ्यास में पूरा सहयोग दें और सक्रिय रूप से भागीदारी सुनिश्चित करें।

तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए 'सी विजिल–26' अभ्यास शुरू

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार कमान के समन्वय से द्विवार्षिक अखिल भारतीय तटीय रक्षा अभ्यास 'सी विजिल–26' आज से शुरू हो गया है। यह अभ्यास 26 नवंबर को रात्रि 8 बजे तक अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहेगा। यह देशव्यापी अभ्यास भारत के सभी तटीय राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न समुद्री सुरक्षा एजेंसियों एवं संबंधित हितधारकों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से तटीय सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करना और उसे सुदृढ़ बनाना है। इसके साथ ही संभावित समुद्री खतरों से तटीय क्षेत्रों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों और कार्यक्षमता का परीक्षण करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

इस अभ्यास के तहत समुद्र तट के रास्ते रेड फोर्सेज के घुसपैठ के प्रयासों को रोकने के लिए बंदरगाह एवं समुद्री बल (पीएमएफ) की नौकाओं एवं जहाज़ों को तटीय गश्त तथा निगरानी के लिए तैनात किया गया है। प्रभावी समन्वय और व्यापक तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएमएफ, ज़िला पुलिस तथा अन्य संबंधित एजेंसियां इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अभ्यास की तैयारियों के तहत पीएमएफ इकाई ने कल तटीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी), मत्स्य विभाग, वन विभाग तथा पत्तन प्रबंध बोर्ड (पीएमबी) के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, मछुआरा निगरानी समूहों तथा आम जनता के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठकें भी आयोजित की गईं। इन बैठकों का उद्देश्य उन्हें तटीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा समुद्र तट के आसपास किसी भी संदिग्ध गतिविधि की पहचान कर उसकी सूचना देने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि अभ्यास की अवधि के दौरान घबराएं नहीं तथा तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस महत्वपूर्ण अभ्यास के सफल संचालन के लिए सुरक्षा बलों एवं इसमें भाग लेने वाली सभी एजेंसियों को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।



पोर्ट ब्लेयर सर्किट कोर्ट 30 नवंबर से

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

माननीय उच्च न्यायालय के प्रशासनिक आदेश के अनुसार, सर्वसंबंधितों की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति कृष्णा राव 30 नवंबर, 2026 से 3 दिसंबर, 2026 तक (दोनों तिथियों सहित) पोर्ट ब्लेयर स्थित सर्किट कोर्ट की खंडपीठ–1 (डिवीजन बेंच–1) में न्यायिक कार्य करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके अतिरिक्त, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति कृष्णा राव 30 नवंबर, 2026 से 4 दिसंबर, 2026 तक पोर्ट ब्लेयर स्थित सर्किट कोर्ट की एकल पीठ–1 (सिंगल बेंच–1) में न्यायिक कार्य करेंगे। इस संबंध में 30 नवंबर, 2026 से 4 दिसंबर, 2026 तक माननीय न्यायाधीशों की न्यायिक बैठक के संबंध में पूर्व में 9 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित समाचार को उपर्युक्त विवरण के अनुसार पढ़ा जाए।

आरटीओ काउंटरों पर वाहन एवं ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सेवाओं के लिए आवेदन तत्काल प्रभाव से बंद

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

आम जनता को सूचित किया गया है कि निम्नलिखित सेवाओं के लिए आवेदन तत्काल प्रभाव से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के काउंटरों पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इन सेवाओं के लिए निर्धारित प्रमाणीकरण प्रक्रिया का उपयोग करते हुए संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों के माध्यम से ही आवेदन जमा करना होगा।

(क) वाहन संबंधी सेवाएं (आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से)

- मोटर वाहन में परिवर्तन कराना।
- पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) में पता बदलना।
- वाहन की फिटनेस जांच/फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त करना।
- वाहन के पंजीकरण प्रमाणपत्र में ऋण भार (हाइपोथिकेशन) दर्ज़ कराना।
- ऋण भार की अवधि जारी रखना।
- ऋण भार समाप्त कराना।
- पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) की द्वितीय प्रति प्राप्त करना।
- वाहन पंजीकरण का नवीनीकरण कराना।
- पंजीकरण संख्या को सुरक्षित रखना।
- वाहन का स्वामित्व हस्तांतरित कराना।
- वाहन को दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करना।
- मोबाइल नंबर अद्यतन कराना।
- सड़क कर जमा करना।

(ख) सारथी संबंधी सेवाएं (आधार प्रमाणीकरण एवं एमएनवीएस के माध्यम से)

- नया लर्नर लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन करना।
- समाप्त हो चुके लर्नर लाइसेंस को पुनः जारी कराना।
- लर्नर लाइसेंस में पता बदलना।
- लर्नर लाइसेंस की द्वितीय प्रति प्राप्त करना।
- लर्नर लाइसेंस में फोटो एवं हस्ताक्षर बदलना।
- लर्नर लाइसेंस में नाम बदलना।
- लर्नर लाइसेंस में जन्मतिथि में सुधार कराना।
- लर्नर लाइसेंस में मोबाइल नंबर बदलना।
- ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन करना।
- ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण कराना।
- पुनः परीक्षा के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण कराना।
- ड्राइविंग लाइसेंस की द्वितीय प्रति प्राप्त करना।
- ड्राइविंग लाइसेंस में पता बदलना।
- अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (आईडीपी) प्राप्त करना।
- ड्राइविंग लाइसेंस में फोटो एवं हस्ताक्षर बदलना/अद्यतन कराना।
- ड्राइविंग लाइसेंस में मोबाइल नंबर अद्यतन कराना।
- ड्राइविंग लाइसेंस के स्थान पर नया लाइसेंस प्राप्त करना।
- ड्राइविंग लाइसेंस में नाम में सुधार कराना।
- ड्राइविंग लाइसेंस में वाहन की अतिरिक्त श्रेणी जुड़वाना।
- ड्राइविंग लाइसेंस से वाहन की किसी श्रेणी (सीओवी) को समर्पित करना।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अन्य सभी सेवाएं अगले आदेश तक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के काउंटरों पर पहले की तरह उपलब्ध रहेंगी। शेष सेवाओं को भी चरणबद्ध तरीके से ऑनलाइन माध्यम में स्थानांतरित किया जा रहा है। इसके बाद ऑनलाइन सुविधा के अंतर्गत आने वाली सेवाओं का काउंटरों के माध्यम से प्रदान किया जाना बंद कर दिया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन करने तथा प्रमाणीकरण से संबंधित समस्याओं के समाधान में आम जनता की सहायता के लिए आरटीओ काउंटर पर एक सहायता केंद्र (हेल्पडेस्क) स्थापित किया गया है।

इस पहल से लोगों को कहीं से भी सुविधाजनक तरीके से सेवाएं प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रतीक्षा समय तथा आरटीओ कार्यालयों के बार–बार चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी, कागज़ी कार्रवाई एवं मैन्युअल हस्तक्षेप में कमी आएगी तथा सेवाओं का पारदर्शी और कुशलतापूर्वक वितरण सुनिश्चित होगा। हालांकि, जहां भी आवश्यक होगा, वहां वाहन निरीक्षण, ड्राइविंग परीक्षा तथा वैधानिक सत्यापन जैसी अनिवार्य भौतिक प्रक्रियाएं पूर्ववत जारी रहेंगी।

किसान पंजीकरण के लिए 1 दिसंबर तक की समय–सीमा निर्धारित

शत्–प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने हेतु विशेष शिविर

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

कृषि विभाग ने किसान पंजीकरण (फार्मर रजिस्ट्री) के अंतर्गत पात्र किसानों का शत्–प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। इस संबंध में विभाग ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में 23 नवंबर से विशेष पंजीकरण शिविरों के आयोजन के लिए संशोधित पंचायतवार कार्यक्रम जारी किया है। कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से 1 दिसंबर तक अपना किसान पंजीकरण पूरा कराने का आग्रह किया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार, केंद्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए वैध किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) होना अनिवार्य है। जिन किसानों का किसान पहचान पत्र नहीं बन पाएगा, उन्हें आगामी रबी मौसम 2027 से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इनमें रियायती दर पर उर्वरक बुकिंग तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम–किसान) के लाभ भी शामिल हैं। किसानों की सुविधा के लिए संबंधित प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के समन्वय से निर्धारित ग्राम पंचायत भवनों, सामुदायिक भवनों तथा अन्य चिह्नित स्थानों पर विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संशोधित कार्यक्रम में डिगलीपुर, मायाबंदर, रंगत, प्रोथरापुर, फरारगंज, लिटिल अण्डमान तथा कैम्पबेल बे क्षेत्रों के अंतर्गत कुल 65 निर्धारित शिविर स्थलों को शामिल किया गया है। ये शिविर पंचायतवार कार्यक्रम में निर्धारित तिथियों के अनुसार संचालित होंगे। किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार अपने संबंधित शिविर स्थलों पर पहुंचें तथा पंजीकरण के लिए आवश्यक विवरण और सहायक दस्तावेज़ अपने साथ लेकर आएं। इन विशेष शिविरों के अतिरिक्त, निकटतम कृषि उप–केंद्रों तथा सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) पर भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। कृषि विभाग ने उन किसानों सहित सभी पात्र किसानों से, जिन्होंने अभी तक अपना पंजीकरण नहीं कराया है, विशेष शिविरों का लाभ उठाने तथा निर्धारित समय–सीमा के भीतर पंजीकरण पूरा कराने के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों को सहयोग देने की अपील की है। प्राप्त विज्ञप्ति में विभाग ने पुनः स्पष्ट किया है कि किसान पंजीकरण के अंतर्गत समय पर नामांकन कराना सरकारी योजनाओं, कृषि आदानों तथा किसानों के हित में संचालित अन्य लाभकारी योजनाओं का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नगरपालिका परिषद ने चलाया अभियान

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

सरकारी भूमि पर किए गए अनधिकृत अतिक्रमणों को हटाने तथा पैदल यात्रियों और वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के तहत श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) ने आज श्री विजयपुरम के हैडो गेट संख्या–3 के सामने अतिक्रमण हटाने के लिए त्वरित अभियान चलाया।

इस अभियान के दौरान सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई तीन से चार अवैध दुकानों तथा अस्थायी संरचनाओं को ध्वस्त कर मौके से हटा दिया गया। यह अभियान एसवीपीएमसी के अधिकारियों तथा स्थानीय पुलिस कर्मियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एसवीपीएमसी ने सार्वजनिक भूमि पर किए जाने वाले अवैध अतिक्रमणों के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति दोहराते हुए चेतावनी दी है कि बार–बार अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम जनता तथा दुकानदारों से एक बार फिर प्रशासन को सहयोग देने और सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण करने से बचने की अपील की गई है।

'अनिम्स' में ठोस अपशिष्ट एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण संचालित

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) द्वारा हाल ही में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एमबीबीएस के प्रथम एवं तृतीय वर्ष के कुल 228 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम भविष्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों में पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी और जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान अपशिष्ट का स्रोत पर पृथक्करण, सुरक्षित रखरखाव तथा वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने पर विशेष ज़ोर दिया गया। इसके साथ ही संक्रमण की रोकथाम, स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण में इन प्रक्रियाओं के महत्व को भी रेखांकित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में सामान्य ठोस अपशिष्ट एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट के बीच अंतर, स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण के सिद्धांतों तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026 और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के अनुरूप अपशिष्ट के उचित निस्तारण की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'अनिम्स' की 'इकोहेल्थ चैंपियंस' पहल का शुभारंभ रहा। इस पहल के अंतर्गत 108 उत्साही



विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से पंजीकरण कर संस्थान परिसर, अस्पताल तथा समुदाय में ज़िम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पंजीकृत विद्यार्थी अपने–अपने स्तर पर अपशिष्ट के उचित पृथक्करण को बढ़ावा देंगे, सहपाठियों के बीच जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेंगे, वार्डों, प्रयोगशालाओं एवं छात्रावासों में समय–समय पर कूड़ेदानों की जांच में सहयोग करेंगे तथा स्वच्छता अभियानों में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, वे अपशिष्ट के असुरक्षित निस्तारण से संबंधित प्रक्रियाओं एवं संभावित खतरों की पहचान कर उचित संस्थागत माध्यमों से उनकी सूचना देने में भी सहयोग करेंगे।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अटल वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 का आयोजन आज से

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के खेल एवं युवा कार्य विभाग द्वारा शिक्षा निदेशालय तथा पर्यटन निदेशालय के सहयोग से अटल वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 का आयोजन प्रस्तावित है। यह प्रतियोगिता 26 से 30 दिसंबर, 2026 तक नेताजी स्टेडियम स्थित वॉलीबॉल कोर्ट, श्री विजयपुरम में आयोजित की जाएगी।

इस प्रतियोगिता में चार श्रेणियां होंगी, जिनमें खुली पुरुष श्रेणी, खुली महिला श्रेणी, 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक तथा 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिकाएं शामिल हैं। प्रत्येक श्रेणी में विजेता एवं उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के सम्मान में व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी संबंधित संगठनों, संस्थानों एवं टीमों से प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा इसे सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है।

ओग्राब्राज थाना की पीसीआर टीम ने चिकित्सा आपात स्थिति में समय पर सहायता प्रदान की

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने द्वीपों में आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के लिए 23 नए पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इनमें से 11 पीसीआर वाहन दक्षिण अण्डमान ज़िले को आवंटित किए गए हैं। इन वाहनों को पुलिस की उपस्थिति को और प्रभावी बनाने तथा कानून–व्यवस्था की स्थिति और सार्वजनिक आपातकाल के दौरान त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया गया है।

दिनांक 24 नवंबर, 2026 को रात्रि 8.20 बजे ओग्राब्राज थाने को मच्छी बस्ती, नमूनाघर में एक चिकित्सा आपातस्थिति की सूचना प्राप्त हुई, जहां एक महिला अचानक बेहोश हो गई थी। महिला के पति ने तत्काल पुलिस से सहायता मांगी।

त्वरित कार्रवाई करते हुए ओग्राब्राज थाने ने आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी निर्धारित पीसीआर टीम को सतर्क किया। मुख्य आरक्षी/1179 विनोद कुमार और आरक्षी (डी)/756 जानकी राव की टीम तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना हुई और बिना किसी विलंब के मरीज़ के घर पहुंच गई।

दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पुलिस कर्मियों ने महिला को आवश्यक चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के लिए तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, टुसनाबाद पहुंचाया। पीसीआर टीम ने मात्र 10 मिनट में लगभग 8.9 किलोमीटर की दूरी तय कर समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। पीसीआर कर्मियों द्वारा प्रदर्शित त्वरित कार्रवाई, सतर्कता और समर्पण दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस की जनसेवा तथा नागरिकों की सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम बंगाल से सोने के आभूषणों के गबन के मामले में हटबे पुलिस थाने की टीम ने आरोपी को किया गिरफ्तार

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए लिटिल अण्डमान की हटबे पुलिस थाने की टीम ने प्राथमिकी संख्या 74/2026, दिनांक 20 सितम्बर, 2026 के संबंध में एक आरोपी का पता लगाकर उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 316(1), 316(2) एवं 318(4) के तहत विश्वास के आपराधिक हनन और धोखाधड़ी के आरोपों से संबंधित है।

यह मामला लिटिल अण्डमान के आर.बी. नगर, वार्ड संख्या–5 की निवासी 55 वर्षीय एक महिला की शिकायत पर दर्ज़ किया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपी प्रदीप मंडल (38 वर्ष), जो मूल रूप से गोरान बोस, थाना बसंती, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल का निवासी है, ने पहले शिकायतकर्ता के घर में टाइल्स लगाने और छत बनाने का कार्य किया था तथा इस दौरान उसने उसके परिवार का विश्वास जीत लिया था।

आरोपी को कथित रूप से लगभग 24.90 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों की 21 वस्तुएं व सेट सौंपे गए थे। इसके अतिरिक्त, उसने 22 किलोमीटर क्षेत्र में भूमि पट्टे के लेन–देन की व्यवस्था करने के बहाने शिकायतकर्ता से 6 लाख रुपये भी प्राप्त किए थे। इस प्रकार, कथित रूप से कुल 30.90 लाख रुपये की राशि से संबंधित मामला सामने आया।

जांच के दौरान उप निरीक्षक देब्राता राहा के नेतृत्व में मुख्य आरक्षी (एसजी)/2727 संजय कुमार रॉय तथा मुख्य आरक्षी (एसजी)/2963 एस.के. नबोद को शामिल करते हुए एक पुलिस दल आरोपी का पता लगाने के लिए पश्चिम बंगाल रवाना हुआ। निरंतर जांच और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर आरोपी का पता गोरान बोस, थाना बसंती, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में लगाया गया। स्थानीय थाना बसंती पुलिस के सहयोग से आरोपी को 17 नवम्बर, 2026



को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

इसके बाद 18 नवम्बर, 2026 को आरोपी को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना स्थित अलीपुर के माननीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (बंगाल फाइल) के समक्ष पेश किया गया, जहां उसे श्री विजयपुरम के सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन की पारगमन रिमांड मंजूर की गई। तदनुसार, आरोपी को 19.11.2026 को हवाई मार्ग से श्री विजयपुरम लाया गया और निर्धारित समय–सीमा के भीतर माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), श्री विजयपुरम के समक्ष पेश किया गया। पेशी के बाद माननीय न्यायालय ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी की सफल गिरफ्तारी हटबे पुलिस थाने की टीम के समर्पण, समन्वित प्रयासों और पेशेवर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस धोखाधड़ी और विश्वास के आपराधिक हनन से संबंधित अपराधों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फिट इंडिया अभियान : 'संडेज ऑन साइकिल' का 100वां संस्करण 29 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत, खेल एवं युवा कार्य निदेशालय, मई भारत श्री विजयपुरम तथा भारतीय खेल प्राधिकरण, श्री विजयपुरम के संयुक्त तत्वावधान में 29 नवंबर को 'संडेज ऑन साइकिल' का 100वां संस्करण आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन साइकिल चलाने के माध्यम से शारीरिक फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए देशव्यापी उत्सव का हिस्सा है। साइकिल रैली सुबह 7 बजे नेताजी स्टेडियम से शुरू होगी। रैली कार्बाइंस कोव तट तक जाएगी तथा उसी मार्ग से वापस नेताजी स्टेडियम पहुंचेगी।

रैली का निर्धारित मार्ग इस प्रकार है:– नेताजी स्टेडियम, गर्ल्स स्कूल, सिंक्लेयर होटल, शिव मंदिर व मज़ार पहाड़, साइंस सेंटर, हॉर्नबिल नेस्ट, कार्बाइंस कोव तट तथा उसी मार्ग से वापस नेताजी स्टेडियम।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, युवाओं, खेल प्रेमियों एवं आम जनता से इस साइकिल रैली में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा दैनिक जीवन में शारीरिक फिटनेस को शामिल करने के अभियान में योगदान देने का आग्रह किया गया है। सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे अपनी साइकिल के साथ सुबह 6.30 बजे तक नेताजी स्टेडियम में पहुंचें। इस आयोजन में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी पंजीकरण लिंक https://fitindia.gov.in/100-soc के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

कालीघाट स्कूल में 62वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'शौर्य–2026' आयोजित

डिगलीपुर, 25 नवंबर।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालीघाट, उत्तर अण्डमान में 20 नवंबर को विद्यालय के खेल मैदान में 62वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'शौर्य–2026' का आयोजन बड़े उत्साह, जोशपूर्ण सहभागिता एवं उत्कृष्ट खेल प्रदर्शनों के साथ किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में कालीघाट थाने के थाना प्रभारी श्री शिबेंद्र नाथ हलदर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चार सदनों के अंतर्गत विभिन्न खेल स्पर्धाओं में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। समापन समारोह में कालीघाट के चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को खेलकूद एवं शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित



किया। इससे पूर्व, कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी शिक्षिका एवं स्नातकोत्तर शिक्षिका श्रीमती माधबी रॉय के स्वागत संबोधन से हुआ।

आज मनाया जायेगा भारतीय संविधान दिवस, सभी को जानने चाहिए भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

दुनियाभर में भारत सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है। इस लोकतंत्र को कायम रखने का सबसे बड़ा कारण भारत का संविधान है। हर साल हमारे देश में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। कॉन्स्टिट्यूशन डे को मनाने का मुख्य उद्देश्य संविधान की विशेषता को और इसके बारे में जानकारी देना है।

भारतीय संविधान बनाने वाली सभा ने 26 नवंबर 1949 को कई दौर की चर्चाओं और संशोधनों के बाद इसे स्वीकार किया था। इसी के चलते हर साल 26 जनवरी को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा की स्वीकृति मिलने के दो महीने बाद भारतीय संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

संविधान दिवस को मनाने का फैसला इसके निर्माता डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए लिया गया था। पहली बार संविधान दिवस को वर्ष 2015 मनाया गया था।

संविधान को भारत के हर नागरिक को समान अधिकार देने के लिए अंगीकृत किया गया। इसमें सभी व्यक्तियों को कुछ मूल अधिकार भी दिए गए हैं जिनका विवरण निम्नलिखित हैं– समानता का अधिकार। स्वतंत्रता का अधिकार। शोषण के खिलाफ अधिकार। धार्मिक स्वतंत्रता



का अधिकार। सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार। संवैधानिक उपचार का अधिकार।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से 19 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाने की स्वीकृति मिली थी। संविधान को पूरा होने में 2 साल 11 माह और 18 दिन का समय लगा था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई थी। भारतीय संविधान सभा लिखने वाले सदस्यों की संख्या 299 थी। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद इसके अध्यक्ष थे। डॉक्टर बीआर आंबेडकर ने भारत के संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई थी। वे संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक, उत्पादन 69 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

भारत दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखे हुए है। 2014–15 में देश का दूध उत्पादन 146.31 मिलियन टन था, जो 2024–25 में 69.41 प्रतिशत बढ़कर 247.87 मिलियन टन हो गया। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। भारत वैश्विक दूध उत्पादन में करीब एक–चौथाई हिस्सेदारी रखता है। पिछले एक दशक में देश का दूध उत्पादन 5.41 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता भी 2014–15 के 319 ग्राम प्रतिदिन से 52.03 प्रतिशत बढ़कर 2024–25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई। औसत गोवंशीय दूध उत्पादकता 2014–15 में प्रति पशु प्रति वर्ष 1,640 किलोग्राम थी, जो 2024–25 में बढ़कर 2,800 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष हो गई। इस दौरान इसमें 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र ने मिलकर देश के कुल दूध उत्पादन में 54.09 प्रतिशत का योगदान दिया। इसमें उत्तर प्रदेश 15.66 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। डेयरी क्षेत्र ग्रामीण इलाकों के 8.5 करोड़ परिवारों की आजीविका का आधार है। डेयरी फार्मिंग से जुड़े कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। फैक्टशीट में कहा गया कि दूध उत्पादन में 5.41 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर का ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी गहरा संबंध है। डेयरी क्षेत्र 8.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को आजीविका प्रदान करता है, जबकि भारत के डेयरी फार्मिंग कार्यबल में करीब 70 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। भारत के डेयरी सहकारी नेटवर्क में 22 दुग्ध महासंघ, 241 जिला सहकारी दुग्ध संघ, 28 विपणन डेयरियां और 25 दुग्ध उत्पादक संगठन शामिल हैं। यह नेटवर्क करीब 2.45 लाख गांवों और 1.65 करोड़ डेयरी किसानों को कवर करता है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड डेयरी सर्विसेज (एनडीडीबी–डीएस), जो दुग्ध उत्पादक संगठनों (एमपीओ) के गठन और उनके संचालन को सुविधाजनक बनाता है, ने 31 अक्टूबर 2026 तक सफलतापूर्वक 25 एमपीओ स्थापित किए हैं।

एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने जड़ा दोहरा शतक

पटना, 25 नवंबर (हि.स.)।

बिहार के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में उनकी रिकॉर्डतोड़ पारी पर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अध्यक्ष हर्ष वर्धन ने उन्हें बधाई देते हुए इस उपलब्धि को राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया।

15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने दोहा में खेले गए मुकाबले में महज 53 गेंदों पर 204 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 28 छक्के और सात चौके लगाए। उनकी इस पारी में बड़े शॉट लगाने की क्षमता और आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। वैभव ने 28 गेंदों में शतक पूरा कर लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद उन्होंने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

वैभव की इस असाधारण पारी की बदौलत इंडिया–ए ने यूएई के 249 रन के लक्ष्य को महज 14.2 ओवर में तीन



विकेट खोकर हासिल कर लिया। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 248 रन बनाए थे। इंडिया–ए ने 254 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

बीसीए अध्यक्ष हर्ष वर्धन ने कहा कि वैभव ने अपने प्रदर्शन से इतिहास रचने के साथ बिहार के क्रिकेट प्रेमियों को गर्व करने का अवसर दिया है। महज 53 गेंदों में 204 रन बनाना और लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड कायम करना असाधारण उपलब्धि है। उनकी निडर बल्लेबाजी, क्षमता और आत्मविश्वास उनकी प्रतिभा को दर्शाते हैं।

मिशन वात्सल्य योजना के तहत सहायक–सह–डेटा एंट्री ऑपरेटर पद के लिए साक्षात्कार

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत पूर्णतः संविदा आधार पर सहायक–सह–डेटा एंट्री ऑपरेटर के पद के लिए आयोजित होने वाला वॉक–इन–इंटरव्यू, जो प्रशासनिक कारणों से 03 नवंबर, 2026 को निर्धारित था, अब 9 दिसंबर, 2026 को सुबह 9.30 बजे आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के समाज कल्याण निदेशक के कक्ष, गोलघर, श्री विजयपुरम में आयोजित होगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार केवल वे अभ्यर्थी ही इस साक्षात्कार में शामिल होने के पात्र होंगे, जिन्होंने 29 एवं 30 नवंबर, 2026 को आयोजित ट्रेड टेस्ट उत्तीर्ण किया है।

लिटिल अण्डमान के लिए जहाजों के परिचालन का कार्यक्रम जारी

क्र. सं.	जहाज का नाम	प्रस्थान की तिथि एवं समय	कहाँ से	कहाँ तक	वापसी यात्रा की तिथि एवं समय	कहाँ से	कहाँ तक
1.	एम.वी. वंडूर	26.11.2026, प्रातः 06:30 बजे	श्री विजयपुरम	लिटिल अण्डमान	26.11.2026, अपराह्न 01:00 बजे	लिटिल अण्डमान	श्री विजयपुरम
2.	नालंदा	27.11.2026, रात्रि 09:00 बजे	श्री विजयपुरम	लिटिल अण्डमान	28.11.2026, प्रातः 09:00 बजे	लिटिल अण्डमान	श्री विजयपुरम
3.	एम.वी. छोलदारी	29.11.2026, प्रातः 06:30 बजे	श्री विजयपुरम	लिटिल अण्डमान	29.11.2026, अपराह्न 01:00 बजे	लिटिल अण्डमान	श्री विजयपुरम

उपर्युक्त जहाजों की यात्राओं के लिए यात्री टिकट 25 नवंबर से आम जनता को जारी किए जा रहे हैं। टिकट जहाजरानी सेवा निदेशालय के ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/ eticketing के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त, टिकट स्टार्स टिकट काउंटरों से भी खरीदे जा सकते हैं।

एम.वी. सिंधु 26 नवंबर को कोलकाता से श्री विजयपुरम के लिए रवाना होगा

श्री विजयपुरम, 25 नवंबर।

यात्रियों एवं आम जनता को सूचित किया गया है कि जहाज एम.वी. सिंधु 26 नवंबर, 2026 को अपराह्न 4 बजे कोलकाता से श्री विजयपुरम के लिए रवाना होगा। इस यात्रा के लिए यात्री टिकट 24 नवंबर, 2026 से आम जनता को जारी किए जा रहे हैं। टिकट डीएसएस के ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

सार्वजनिक सूचना

F.No. BSI/ANRC/02/46/2026-27/Estt./2461 दिनांक 23.11.2026

पारिवारिक पेंशन के निष्पादन हेतु श्री ए. हनीफा, पति स्वर्गीय श्रीमती मेरीरोज़लिनबेक, निवासीः मानपुर, तुश्नाबाद–744103, दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, को सूचित किया जाता है कि सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर आवश्यक संबंधित दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित हों ।

कार्यालय प्रमुख
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र
श्री विजयपुरम – 744102

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2026–27/191

कार्य का नाम : समिति द्वारा विम्बर्लीगंज ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड संख्या 04 में ई. आर. नायडू के घर से नाला तक सीसी ड्रेन का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 24,41,257/–, धरोहर राशि : रु. 48,825/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 30/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26063_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

सं: टीएन–डी.बी./द.अ.म./2026–27/2633 दिनांक 23.11.2026

दक्षिण अण्डमान मंडल, अलोनिवि के कार्यकारी अभियंता, श्री विजयपुरम, भारत के राष्ट्रपति की ओर से ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदा/बोली (सीपीडब्ल्यूडी–7 के रूप में) आमंत्रित करते हैं। यह अण्डमान निकोबार द्वीपों के अनुमोदित और योग्य ठेकेदारों के लिए है, चाहे उनका अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग में नामांकन हो या न हो, केवल इस शर्त पर कि उन्हें संबंधित कार्य के निष्पादन का अनुभव हो जैसा सीपीडब्ल्यूडी कार्य मैनुअल में निर्दिष्ट है और उनपर कोई नकारात्मक टिप्पणियाँ न हों। यह निम्नलिखित कार्य के लिए है :

NIT No.17/SE/SVPCC/2026-27, Tender ID : 2026_APWD_26124_1]

कार्य का नाम : वार्ड नंबर 16 तेलुगु बस्ती, ओल्ड पहाड़गांव में वी नागमाणि के घर से पी. पापा राव के घर तक (श्रीराम मंदिर होते हुए RCC NRSD का निर्माण जिसमें कैंटिलीवर फुटपाथ और हैंड रेल शामिल हैं। यह कार्य दक्षिण अण्डमान मंडल, अलोनिवि श्री विजयपुरम के अंतर्गत आता है।

अनुमानित लागत : रु. 2,92,70,842/–, अर्जित धनराशि : रु. 5,85,417/–, कार्य पूरा करने की अवधि : 10 महीने।

बोली जमा करने की अंतिम तिथि और समय : 07.12.2026 के अपराहन 15.00 बजे।

निविदा फॉर्म और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्यकारी अभियंता
दक्षिण अण्डमान मंडल, अलोनिवि श्री विजयपुरम

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, हट बे, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2026–27/162

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान हट बे ग्राम पंचायत के अंर्तगत ओंगी टिकरी वार्ड नम्बर 10 में जी ब्लॉक में 04 नम्बर दुकानों की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 8,84,324/–, धरोहर राशि : रु. 17,686/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 30/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26097_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गुप्तापारा की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/197

कार्य का नाम : गुप्तापारा ग्राम पंचायत के अंर्तगत मंगलुटान–।।। में एसएच7 से इरूलांडी के घर तक पालस्वामी के घर, पेरियास्वामी और शिशुबालन के घर होते हुए मौजूदा सी सी फुटपाथ का नवीनीकरण और विस्तार।

अनुमानित लागत : रु. 6,95,263/–, धरोहर राशि : रु. 13,905/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (02) दो माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 30/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26123_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान

आईएसएएम का वार्षिक सम्मेलन 26–27 नवंबर को आयोजित होगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

इस वर्ष 'इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन' (आईएसएएम) अपना 65वां वार्षिक सम्मेलन 26 और 27 नवंबर 2026 को बेंगलुरु स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन' (आईएएम) में आयोजित करेगी। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर भारत और अन्य देशों के कई प्रतिष्ठित सैन्य एवं असैन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में लगभग 250 प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें सैन्य और नागरिक विमानन क्षेत्रों के चिकित्सा विशेषज्ञ, भारतीय वायुसेना के एयरक्रू, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के प्रख्यात वैज्ञानिक शामिल होंगे।

'इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन' (आईएसएएम) वर्ष 1952 में स्थापित देश की एकमात्र पंजीकृत हवाई चिकित्सा संस्था है। यह सोसाइटी जटिल एयरोमेडिकल चुनौतियों के समाधान के लिए ज्ञान के आदान–प्रदान और अग्रणी अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साल 1954 से अपना वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित करती आ रही है।

भारत में यह सोसाइटी हवाई चिकित्सा गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्वदेशी विमानों के डिजाइन और विकास के साथ–साथ भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस वर्ष के सम्मेलन की विषय–वस्तु 'एक हवाई क्षेत्रदृएक मिशन रू हवाई पट्टी से अंतरिक्ष की कक्षा तक हवाई चिकित्सा सहायता' रखी गई है। यह विषय–वस्तु एयरोस्पेस मेडिसिन के ऐसे एकीकृत दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो सैन्य विमानन, नागर विमानन और मानव अंतरिक्ष उड़ान को एक–दूसरे से सहज रूप से जोड़ती है। इसमें चिकित्सकीय उत्कृष्टता, परिचालन चिकित्सा और अत्याधुनिक अनुसंधान के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य उड़ान के सभी क्षेत्रों में मानकों में एकरूपता लाना और विभिन्न विषयों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है।

सिप्ला को अस्थमा की दवा फ्लोवेंट के पहले जेनेरिक विकल्प के लिए USFDA की मंजूरी

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

दवा कंपनी सिप्ला को अस्थमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाले फ्लोवेंट एचएफए के पहले जेनेरिक समकक्ष फ्लूटिकासोन एचएफए मीटर्ड–डोज इनहेलर (एमडीआई) के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह दवा 110 माइक्रोग्राम और 220 माइक्रोग्राम की क्षमता में उपलब्ध होगी।

यह उत्पाद संक्षिप्त नई दवा आवेदन प्रक्रिया के तहत मंजूर किया गया है। इसे सिप्ला और टेवा फार्मास्यूटिकल्स ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। सिप्ला के बयान के अनुसार, उत्पाद का निर्माण और आपूर्ति कंपनी करेगी, जबकि टेवा के पास इसका एएनडीए है और वही अमेरिका में इसका व्यावसायीकरण करेगी।

अब 24×7 स्मार्ट लेटर बॉक्स और हाई–टेक पार्सल हब से लैस होगा इंडिया पोस्ट

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।



केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में डाक सेवा के संचालन और ढांचागत सुविधाओं के रखरखाव के लिए दो अलग–अलग फैसलों में 1,141 और 1,491 करोड़ की दो योजनाओं के अगले 5 सालों के संचालन को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डाक विभाग की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

श्री वैष्णव ने बताया कि डाक संचालन योजना को 16वें वित्त आयोग की पांच साल की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सुविधाओं को अपग्रेड करना, मेल और पार्सल सेवाओं को संचालित करना, ई–कॉमर्स और अंतरराष्ट्रीय डाक लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना और डिलीवरी सुविधाओं के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के साथ उनकी सुविधाओं में वृद्धि करना है। वहीं संपदा प्रबंधन योजना के तहत 190 नई विभागीय पोस्ट बिल्डिंग बनेगी, 5,050 पोस्ट ऑफिस को अपग्रेड किया जाएगा, 200 ऐतिहासिक डाक बिल्डिंग को संरक्षित किया जाएगा, 150 डाक सेवा से जुड़ी रिहायशी कॉलोनी को रिनोवेट किया जाएगा और बेंगलुरु में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा।

डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन आज संविधान दिवस समारोह का आयोजन करेगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन (डीएएफ) 26 नवंबर, गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) में संविधान दिवस समारोह का आयोजन करेगा। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री तथा डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के होंगे।

कार्यक्रम में 26 नवंबर, 1949 को देश के संविधान को अपनाने की स्मृति में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भारत रत्न डॉ. बी.आर. आंबेडकर के राष्ट्र की संवैधानिक और लोकतांत्रिक नींव को आकार देने में दिए गए अमूल्य योगदान को पुनः स्मरण किया जाएगा।

समारोह का आयोजन "संविधान@76: डॉ. बी.आर. आंबेडकर की संवैधानिक दृष्टि और भारतीय लोकतंत्र का भविष्य" विषय पर किया जाएगा। यह विषय न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों की निरंतर प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। इसका उद्देश्य संवैधानिक नैतिकता, लोकतांत्रिक शासन, संस्थागत जवाबदेही और समावेशी समाज के संबंध में डॉ. आंबेडकर की दृष्टि के प्रति गहरी समझ विकसित करना है। यह समारोह समकालीन चुनौतियों से निपटने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत बनाने में संवैधानिक मूल्यों की भूमिका पर विचार–विमर्श का मंच भी प्रदान करेगा।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले और बी.एल. वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांश पंत भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह का प्रमुख आकर्षण पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एचपीवी वैक्सीन के एक करोड़ से अधिक टीके लगाने पर भारत को बधाई दी

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

विश्व स्वास्थ्य संगठन–डब्ल्यूएचओ ने 14 वर्ष की आयु की लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन के एक करोड़ से अधिक टीका लगाने के लिए भारत को बधाई दी है। डब्ल्यूएचओ ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसे भारत की ओर से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह उपलब्धि एचपीवी टीकाकरण द्वारा लड़कियों को गंभीर बीमारी से बचाने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, समुदायों, अभिभावकों और भागीदारों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी एचपीवी टीका की एक करोड़ खुराक दिए जाने को सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए सभी हितधारकों की सराहना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा के एक सोशल मीडिया पोस्ट को साझा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह निवारक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खुराक लड़कियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाने और उनके लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है।

वर्गीज कुरियनः श्वेत क्रांति के जनक ने अपनी एक पहल से भारत को बना दिया दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।



भारत को श्वेत क्रांति के जरिए दुनिया में दुग्ध उत्पादन में पहले पायदान पर पहुंचाने वाले और अमूल के संस्थापक डॉ.वर्गीज कुरियन का गुरूवार को जन्मदिन है। डेयरी सेक्टर में उनके योगदान को देखते हुए इस दिन को 'नेशनल मिल्क डे' के रूप में मनाया जाता है। 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' नाम से प्रसिद्ध कुरियन ने 'ऑपरेशन लड' के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया और लाखों किसानों को आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया।

डॉ. वर्गीज कुरियन का जन्म 26 नवंबर 1921 को केरल के कोझिकोड में एक समृद्ध सिरियन ईसाई परिवार में हुआ था। उनके पिता सरकारी सर्जन थे। उन्होंने 1940 में चेन्नई के लोयोला कॉलेज से स्नातक और 1943 में गिंडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। 1948 में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया, जहां उन्होंने डेयरी इंजीनियरिंग को सहायक विषय के रूप में पढ़ा।

1949 में भारत लौटने पर सरकार के साथ हुए बांड की अवधि को पूरा करने के लिए उन्हें गुजरात के आनंद में डेयरी डिवीजन में भेजा। यहीं उनकी मुलाकात त्रिभुवनदास पटेल से हुई, जो किसानों को एकजुट कर दूध सहकारी समितियों की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे थे।

कुरियन ने त्रिभुवनदास के साथ मिलकर 1946 में कैरा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड (केडीसीएमपीयूएल) की स्थापना की, जो बाद में 'अमूल' बना। उनके मित्र एच.एम. दयाला ने भैंस के दूध से मिल्क पाउडर और कंडेंस्ड मिल्क बनाने की तकनीक विकसित की, जिसने भारतीय डेयरी उद्योग को क्रांतिकारी बदलाव दिया। पहले केवल गाय के दूध से ये उत्पाद बनाए जाते थे। इस इनोवेशन ने भारत को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1965 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने कुरियन के आनंद मॉडल को देखते हुए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की स्थापना की और कुरियन को इसका पहला अध्यक्ष नियुक्त किया। 1970 में शुरू हुए 'ऑपरेशन फ्लड' ने भारत के दूध उत्पादन को 1968–69 में 23.3 मिलियन टन से 2006–07 में 100.9 मिलियन टन तक बढ़ाया। 25 वर्षों में 1700 करोड़ रुपए के निवेश से यह कार्यक्रम दुनिया का सबसे बड़ा डेयरी विकास कार्यक्रम बना। 1998 में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़कर विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बनने का गौरव हासिल किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में पहली बार पांचवें स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली, 25 नवम्बर (हि.स.)।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की विश्व रैंकिंग में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल किया है। टीम ने मंगलवार को भोपाल में जारी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में चीन को 6–2 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। मुकाबला भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में खेला गया।

भारतीय महिला हॉकी के सफर में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है। अक्टूबर 2003 में शुरू हुई एफआईएच विश्व रैंकिंग में भारतीय महिला टीम ने पिछले वर्षों में लगातार सुधार किया है। पांचवें स्थान पर पहुंचना अब तक की उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय टीम की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग छठी थी, जो उसने एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद मई–जून 2022 में हासिल की थी। टीम ने 2023 में भी छठा स्थान प्राप्त किया था। इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय टीम आठवें स्थान पर पहुंची थी। वहीं, 2018 में एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद टीम ने नौवीं रैंकिंग हासिल की थी।

चीन के खिलाफ जीत टूर्नामेंट के लिहाज से भी खास रही। एफआईएच की ताजा रैंकिंग में चीन आठवें स्थान पर खिसक गया है। भारत की 6–2 की जीत महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में चीन के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने 2013 के संस्करण में चीन को 4–2 से हराया था। भोपाल में घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और अपने आक्रामक खेल तथा आत्मविश्वास का परिचय दिया।

IndianOil

एलपीजी वितरकों की नियुक्ति के लिए सूचना

संशोधनी

यह इस समाचार पत्र में दिनांक 14.11.2026 को प्रकाशित हमारे विज्ञापन के संदर्भ में है। कृपया निम्नलिखित सुधारों पर ध्यान दें:

लोकेशन विवरण की तालिका में लोकेशन क्रम संख्या 1 के सामने ग्राम पंचायत का नाम पूर्व प्रकाशित "मधुपुर, लक्ष्मीपुर और सीतापुर" के स्थान पर **"मधुपुर, लक्ष्मीपुर और राधानगर"** पढ़ें।

सिर्फ़ इस लोकेशन (क्रम संख्या 1 के तहत) के लिए सम्पूर्ण आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तारीख को **26.12.2026** तक बढ़ा दिया गया है।

अन्य सभी नियम और शर्तें पूर्ववत रहेंगी। असुविधा के लिए बेहद खेद है।

प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो के सिर सजा मिस यूनिवर्स 2026 का ताज

सैन जुआन (प्यूर्टो रिको), 25 नवंबर (हि.स.)।



प्यूर्टो रिको की 27 वर्षीय जेनिफर बैरेटो ने मिस यूनिवर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। सैन जुआन में आयोजित प्रतियोगिता के 75वें संस्करण में 116 देशों की सुंदरियों ने हिस्सा लिया, लेकिन जेनिफर ने अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। उन्हें वर्ष 2025 की मिस यूनिवर्स विजेता मेक्सिको की फातिमा बॉश ने ताज पहनाया। इस बार प्रतियोगिता का आयोजन प्यूर्टो रिको के सैन जुआन स्थित जोस मिगुएल एग्रेलोट कोलिजियम में किया गया। कई हफ्तों तक चली इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों की संस्कृति और प्रतिभा की झलक देखने को मिली।

इस साल प्रतियोगिता के 75वें संस्करण के मौके पर एक खास ताज भी पेश किया गया। श्द रेडियंस ऑफ एन इटरनल लेगेसीश नाम के इस ताज को ज्वेलरी डिजाइनर जॉर्ज विटल्स ने पेरिस के ज्वेलरी हाउस श्मेसन डीश्ओरश के साथ मिलकर तैयार किया । 18 कैरेट व्हाइट गोल्ड से बने इस ताज में 3,150 हीरे जड़े गए हैं।

भारत के केरल की 19 वर्षीय काजिया लिज मेजो ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने टॉप–30 में जगह बनाकर देश का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन स्विमसूट राउंड के बाद टॉप–12 में पहुंचने से चूक गईं। मॉडल होने के साथ कानून की छात्रा काजिया ने इसी साल मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीता था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली केरल की पहली महिला बनी थीं। इससे पहले 2024 में उन्होंने मिस टीन दिवा का खिताब जीता था और 2025 में मिस टीन इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए फर्स्ट रनर–अप रही थीं।